

## करिगज़िस्तान और ताजकिस्तान सीमा समझौता

स्रोत: द हिंदू

करिगज़िस्तान और ताजकिस्तान ने विवादित भूमिका आदान-प्रदान करने, कृषिभूमि और जल संसाधनों तक पहुँच में सुधार करने, तथा अपने लंबे समय से चले आ रहे सीमा संघर्ष को समाप्त करने पर सहमत वियक्त की है।

### संघर्ष के कारण:

- यह संघर्ष अलग-अलग मानचित्रों और फरगना घाटी के एकपक्षीय विभाजन के कारण सीमा विवादों से उत्पन्न होता है, जिससे करिगज़ि, ताजकि और उज़्बेकों के बीच जातीय तनाव उत्पन्न होता है।
- करिगज़िस्तान और ताजकिस्तान: दोनों मध्य एशियाई देश हैं, जिन्हें वर्ष 1991 में सोवियत संघ से स्वतंत्रता मिली थी।
- करिगज़िस्तान की सीमा कज़ाक़िस्तान, चीन, ताजकिस्तान और उज़्बेक़िस्तान से लगती है, तथा बिशकेक इसकी राजधानी है।
- ताजकिस्तान की सीमा अफ़ग़ानिस्तान, चीन, करिगज़िस्तान और उज़्बेक़िस्तान से लगती है और दुशांबे इसकी राजधानी है।
- दोनों देश उज़्बेक़िस्तान के साथ फरगना घाटी साझा करते हैं।



और पढ़ें: भारत मध्य एशिया संबंध

